प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

काशी के सेठ गंगादास भगवान शंकर के सच्चे भक्त थे। एक दिन वह गंगा में स्नान कर रहे थे कि तभी एक व्यक्ति नदी में कूदा और डुबकियाँ खाने लगा। चारों तरफ शोर मच गया लेकिन किसी की हिम्मत नहीं हुई कि उसे बचाए। कुछ देर तक सेठ जी उसे डूबते देखते रहे फिर तैजी से तैरते हुए उसके पास पहुँचे और किसी तरह खींचकर उसे किनारे ले आए। सेठ जी ने उसे ध्यान से देखा तो चौंक पड़े। वह उनका मुनीम नंदलाल था। उन्होंने पूछा, आपको किसने गंगा में फेंका? नंदलाल बोला किसी ने नहीं मैं तो आत्महत्या करना चाहता था। सेठजी ने इसका कारण पूछा तो उसने कहा, मैंने आपके पाँच हजार रूपये चुराकर सट्टे में लगाए और हार गया। मैने सोचा कि आप मुझे गबन के आरोप में गिरफ्तार करवाकर जेल भिजवा देंगे। इससे मेरी और मेरे परिवार की बड़ी बदनामी होगी। इसलिए बदनामी के डर से मैंने मर जाना ही ठीक समझा। सेठ जी ने कहा, तुम्हें तो सजा मिलनी ही चाहिए। नंदलाल ने विनती की, ऐसा मत कीजिए सेठ जी। कुछ देर तक सोचने के बाद सेठ जी ने कहा, तुम्हारा अपराध माफ किया जा सकता है लेकिन मेरी एक शर्त है। तुम प्रण करो आज के बाद कभी किसी प्रकार का जुआ नहीं खेलोगे, सट्टा नहीं लगाओगे। नंदलाल ने वचन दिया कि वह अब ऐसे काम नहीं करेगा। सेठ जी ने कहा, जाओ माफ किया। पाँच हजार रूपये मेरे नाम घरेलू खर्च में डाल देना। मुनीम भौंचक रह गया। उसने सोचा था कि अब तो उसकी नौकरी चली जाएगी। उसने पूछा, क्या चोरी करने के बाद भी आप मुझे नौकरी पर रख लेंगे? सेठ जी ने कहा तुमने चोरी तो की है लेकिन स्वभाव से तुम चोर नहीं हो। तुमने एक भूल की है, चोरी नहीं। जो आदमी अपनी एक भूल के लिए मरने तक की बात सोच ले, वह कभी चोर नहीं हो सकता। उसके बाद नंदलाल ने कभी कोई गलत काम नहीं किया।

1. सेठ गंगादास कौन थे? नदी में स्नान करते समय उन्होंने क्या देखा और क्या किया? 2

उत्तर : काशी के सेठ गंगादास भगवान शंकर के सच्चे भक्त थे। नदी में स्नान करते समय उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति नदी में कूदा और डुबकियाँ खाने लगा। कुछ देर सेठ जी उसे डूबते देखते रहे, फिर तेजी से तैरकर उसके पास पहुँचे और उसे खींचकर किनारे ले आए।

2. नंदलाल कौन था? वह आत्महत्या क्यों करना चाहता था? 2

उत्तर : नंदलाल सेठ गंगादास का मुनीम था। उसने सेठ जी के पाँच हजार रूपये चुराकर सट्टा लगाया था और हार गया। उसने सोचा कि सेठ जी उसे गबन के आरोप में जेल भिजवा देंगे। इस कारण उसकी और उसके परिवार की बहुत बदनामी होगी जिसके भय से वह आत्महत्या करना चाहता था।

3. हमें समाज में किस चीज का डर सबसे ज्यादा होता है? किसके डर से नंदलाल ने मरना उचित समझा? 2

उत्तर : हमें समाज में बदनामी का डर सबसे ज्यादा होता है। बदनाम हो जाने पर मनुष्य को हीन–भावना से देखा जाता है। नंदलाल ने इसी बदनामी के डर से मरना उचित समझा। वह बदनाम होकर जीना नहीं चाहता था।

4. सेठ जी ने मुनीम नंदलाल को क्यों माफ किया? उनकी नजर में कौन चोर नहीं हो सकता? 2

उत्तर : सेठ जी ने मुनीम को माफ कर दिया क्योंकि वे उसे सुधार का मौका देना चाहते थे। वे जानते थे कि अब वह सुधर जाएगा। उनके विचार में जो आदमी अपनी एक भूल के लिए मरने तक की बात सोच ले वह कभी चोर नहीं हो सकता।

5. नंदलाल ने सेठ गंगादास को क्या वचन दिया? 1

उत्तर : नंदलाल ने सेठ गंगादास को वचन दिया कि वह अब चोरी जैसा काम नहीं करेगा।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
उत्तर : सेठ जी की दयालुता।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. रेखांकित शब्द, शब्द है या पद ?बताइए। 1
सीता पढ़ रही है।
उत्तर : **सीता,** पद है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।
$1 \times 3 = 3$

1. यदि तुम परिश्रम नहीं करोगे तो तुम्हें सफलता नहीं मिलेगी। (सरल वाक्य में)
उत्तर : परिश्रम के बिना तुम्हें सफलता नहीं मिलेगी।
2. उसको काम न आने के कारण कोई नौकरी नहीं देता। (संयुक्त वाक्य में)
उत्तर : उसको काम नहीं आता इसलिए कोई उसे नौकरी नहीं देता।
3. कार्य समाप्त करके मजदूर अपने घर चले गए। (मिश्र वाक्य में)
उत्तर : जब कार्य समाप्त हुआ तब मजदूर अपने घर चले गए।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
आशातीत, भुखमरा
उत्तर : आशातीत–आशा को लाँघकर गया हुआ(कर्म तत्पुरूष)
भुखमरा– भूख के द्वारा मारा (करण तत्पुरूष)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
तुलसी द्वारा कृत, पाँच आबों का समूह
उत्तर : तुलसी द्वारा कृत– तुलसीकृत (करण तत्पुरूष)
पाँच आबों का समूह– पंजाब (द्विगु समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. उसने आने के लिए बोला था।
उत्तर : उसने आने के लिए कहा था।
2. हम तो तुम्हें मना कर दिया है।
उत्तर : हमने तुम्हें मना कर दिया है।
3. राजा और रानी आई हैं।
उत्तर : राजा और रानी आए हैं।
4. गीता ने गीत की चार लड़ियाँ गाईं।
उत्तर : गीता ने गीत की चार कड़ियाँ गाईं।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए।
$1 \times 4 = 4$

1. आज की दुनिया में बहुतेरे रंगे ..... मिल जाएँगे।
उत्तर : सियार (रंगा सियार)।
2. वीर संतानों ने सिर पर ..... बाँधकर ही देश की रक्षा की।
उत्तर : कफन (कफन बाँधना)।
3. इतना पढ़ा–लिखा होने पर भी रमन ..... रहा है।
उत्तर : खाक छान (खाक छानना)।
4. कल्याण सिंह भाजपा में पुनः शामिल होंगे। यह फैसला बहुत दिन तक .....।
उत्तर : अधर में लटका रहा (अधर में लटकना या झूलना)।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में दीजिए। $2 \times 3 = 6$

1. बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों?
उत्तर : बड़े भाई साहब छोटे भाई को यह सलाह देते थे कि पढ़ाई करने के लिए आँखें फोड़नी पड़ती हैं, खून जलाना पड़ता है, तब कहीं जाकर यह विद्या आती है। मन की इच्छाओं को दबाना पड़ता है, अत्यधिक परिश्रम करना पड़ता है। जो घमंड करते हैं, वे नीचे डूबते चले जाते हैं। वे अपने छोटे भाई को बारम्बार परिश्रम करने की सलाह देते थे क्योंकि वे चाहते थे कि उनका छोटा भाई पढ़–लिखकर नेक इन्सान बने।
2. महाकवि शेख अयाज की घटना के द्वारा लेखक क्या संदेश देना चाहता है?
उत्तर : शेख अयाज के पिता बहुत ही दयालु तथा जीव प्रेमी मनुष्य थे। एक चींटे के बेघर हो जाने मात्र से दुखी हो उठे और उस चींटे को उसके घर पहुँचाकर ही शांत हुए। इस घटना के माध्यम से लेखक जीव–प्रेम की भावना जाग्रत करने का संदेश देना चाहता है।
3. गांधी जी में कौनसी क्षमता विद्यमान थी?
उत्तर : गांधी जी में नेतृत्व की अद्भुत क्षमता थी। उन्होंने कभी आदर्शों को व्यवहार में लाने के नाम पर उसे गिराने की कोशिश नहीं की।
4. धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया?
उत्तर :
सुभाष बाबू के नेतृत्व में जुलूस पूरे जोश के साथ आगे बढ़ रहा था। थोड़ा आगे बढ़ने पर पुलिस ने सुभाष बाबू को पकड़ लिया और गाड़ी में बिठाकर लाल बाजार के लॉकअप में भेज दिया। जुलूस में भाग लेने वाले आंदोलनकारियों पर पुलिस ने लाठियाँ बरसानी शुरू कर दी थीं। बहुत से लोग बुरी तरह घायल हो चुके थे। पुलिस की बर्बरता के कारण जुलूस बिखर गया था। मोड़ पर पचास साठ स्त्रियाँ धरना देकर बैठ गई थीं। पुलिस ने उन्हें पकड़कर लाल बाजार भेज दिया था।

8. गिन्नी का सोना, पाठ के माध्यम से लेखक किस तथ्य को उजागर करता है? 80–100 शब्दों में बताइये? 5
उत्तर : **गिन्नी का सोना,** पाठ का संदेश यह है कि आदर्श अव्यावहारिक नहीं होना चाहिए। व्यवहार में लाए बिना आदर्श

का कोई मूल्य नहीं होता परन्तु उसे व्यवहार में लाते समय हमें उसकी महिमा, गरिमा और मूल भावना से समझौता नहीं करना चाहिए। हमें आदर्शों को मजबूत तथा चमकदार बनाने के लिए थोड़ी मात्रा में व्यावहारिकता का ताँबा तो मिलाना चाहिए, परन्तु वह रहना चाहिए सोना ही। चर्चा सोने की ही होनी चाहिए, ताँबे की नहीं। इसे हम यों कह सकते हैं कि हमें ताँबे को सोने से मिलाने का प्रयत्न करना चाहिए। अपने व्यवहार को आदर्श बनाने का प्रयास करना चाहिए।

अथवा

आज जो बात थी वह निराली थी, किस बात से पता चल रहा था कि आज का दिन अपने आप में निराला है? 80–100 शब्दों में बताइये।

उत्तर : 26 जनवरी, 1931 का दिन एक महत्वपूर्ण दिन था। इस दिन 26 जनवरी, 1930 को मनाए गए प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की पुनरावृत्ति थी। सब कुछ निराले ढंग से हो रहा था। लोग अत्यधिक उत्साह से इस दिवस को मनाने के लिए उत्सुक थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे, उसी रास्ते पर नवीनता मालूम होती थी। सभी ने ऐसी सजावट पहले कभी नहीं देखी थी। चहुँ ओर स्वतंत्रता प्राप्ति की लहर दौड़ रही थी। शहर के बड़े क्षेत्रों से लेकर छोटे क्षेत्रों तक सब जगह झंडे लहरा रहे थे। स्त्री और पुरूष जुलूस निकाल रहे थे। मोनूमेंट के नीचे जहाँ शाम को सभा होने वाली थी, उस जगह तीन बजे से ही भीड़ जमा होनी शुरू हो गई थी। लोग टोलियाँ बनाकर घूम रहे थे। आज जो बात थी वह निराली थी।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. विरासत में मिली चीजों की बड़ी संभाल क्यों होती है? **तोप** कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : विरासत में मिली चीजों की बड़ी संभाल होती है, क्योंकि वे वस्तुएँ पुरखों से मिली अमूल्य धरोहर होती हैं। उनका ऐ–तिहासिक महत्व होता है और वे वस्तुएँ हमसे भावनात्मक रूप से जुड़ी होती हैं। इसलिए इनकी बड़ी संभाल होती है ताकि भविष्य में इन्हें सुरक्षित रखा जा सके और आगे आने वाली पीढ़ी को सौंपा जा सके। ये वस्तुएँ हमें तत्कालीन परिस्थिति की जानकारी देने के साथ साथ भविष्य के लिए दिशा–निर्देश भी देती हैं।

2. बिहारी कवि ने **सभी की उपस्थिति में भी कैसे बात की जा सकती है,** इसका वर्णन किस प्रकार किया है?

   उत्तर : बिहारी ने बताया है कि सभी की उपस्थिति में भी मन की बात आँखों के इशारे से की जा सकती है। नायक ने सब सदस्यों के बीच में नायिका को आँखों से इशारा किया कि चलें, प्रेम करें। नायिका ने इशारे से मना किया। नायक उसकी मना करने की अदा पर रीझ गया। नायिका नायक की रीझ देखकर खीज उठी। इसके बाद दोनों के नेत्र मिले। दोनों की आँखों में प्रेम की स्वीकृति का भाव था। स्वीकृति पाकर नायक प्रसन्न हो उठा। नायिका की आँखों में लज्जा आ गई। इस प्रकार इतनी लम्बी बातचीत आँखों ही आँखों में हो गई।

3. **पर्वत प्रदेश में पावस,** के आधार पर लिखें कि प्रकृति पल–पल अपना रूप किस प्रकार बदल रही है?

   उत्तर : पर्वत प्रदेश वर्षा ऋतु का समय है इसलिए बादलों की उमड़ घुमड़ से प्रकृति प्रतिक्षण, पल–पल अपना रूप परिवर्तित कर रही है। कभी बादल घिर आने से अँधेरा हो जाता है, कभी बादलों के हटने से प्रदेश चमकने लगता है। कभी घनघोर वर्षा होने लगती है।

4. **मनुष्यता** कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

   उत्तर :

   मानव जीवन एक विशिष्ट जीवन है क्योंकि मनुष्य के मन में प्रेम, त्याग, बलिदान, परोपकार का भाव होता है। अपने से पहले दूसरों की चिंता करते हुए अपनी शक्ति, अपनी बुद्धि और अपनी वैचारिक शक्ति का सदुपयोग करना मानव का कर्तव्य है। प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि मानवीय एकता, सहानुभूति, सद्भाव, उदारता और करुणा का संदेश देना चाहता है। वह चाहता है कि मनुष्य समस्त संसार में अपनत्व की अनुभूति करे। वह दीन–दुखियों, जरूरतमंदों के लिए बड़े से बड़ा त्याग करने के लिए तैयार रहे। वह पौराणिक कथाओं के माध्यम से विभिन्न महापुरुषों जैसे दधीचि, कर्ण, रंतिदेव के अतुलनीय त्याग से प्रेरणा ले। ऐसे सत्कर्म करें जिससे मृत्यु उपरांत भी लोग उसे याद करें। उसका यश रूपी शरीर सदैव जीवित रहे। निःस्वार्थ भाव से जीवन जीना, दूसरों के काम आना व स्वयं ऊँचा उठने के साथ–साथ दूसरों को भी ऊँचा उठाना ही मनुष्यता का वास्तविक अर्थ है।

10. साखियों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए की कबीरदास जी समाज को सुधारने का महान कार्य करना चाहते हैं। 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर : कबीर की साखियों में समाज सुधार का महान संकल्प दिखाई देता है। सर्वप्रथम वे मधुर वाणी के महत्व पर जोर देते हैं क्योंकि मीठी बोली जहाँ अपने शरीर को शीतलता प्रदान करती हैं, वहीं दूसरों को भी सुख प्रदान करती हैं। इसी तरह वे केवल खाने–सोने में जिंदगी बिताने वालों पर आक्षेप करते हैं। एक अन्य साखी में निंदा करने वाले व्यक्ति को अपने पास रखने का सुझाव देते हैं ताकि हमारा स्वभाव निर्मल बन सके। अंतिम साखी में कबीर कहते हैं कि पहले हमने अपना घर जलाया यानी अपने घर की बुराईयाँ नष्ट कीं, अब वे अपने साथियों की बुराईयाँ दूर करके ज्ञान का प्रकाश फैलाना चाहते हैं। वे जनसमुदाय को जीने का सही मार्ग दिखाकर उनके जीवन को उन्नत बनाना चाहते हैं।

अथवा

कर चले हम फिदा कविता का प्रतिपाद्य (80–100 शब्दों में) अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : **कर चले हम फिदा,** सन् 1962 में भारत–चीन युद्ध की पृष्ठभूमि में लिखी गई कविता है। इस युद्ध में सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों ने असीम वीरता का परिचय दिया। कविता में उनके अद्भुत शौर्य और साहस का वर्णन किया है। यही जोश और जज्बा प्रत्येक भारतीय के मन में होना चाहिए, कविता में इस बात को प्रमुखता से उभारा गया है। देशभक्ति की भावना से ओत–प्रोत इस कविता में भारतवासियों को उनकी प्राचीन गौरवशाली संस्कृति का स्मरण कराया गया है। हिमालय, राम, सीता, लक्ष्मण आदि प्रतीकों के माध्यम से कवि ने देश के सम्मान की रक्षा के लिए हर समय सजग रहने, आवश्यकता पड़ने पर देश के लिए खुशी–खुशी अपनी जान देने की बात कही है। हमारे सैनिक जो कुर्बानियाँ दे गए, उन्हें स्मरण में रखते हुए हमें भी देश के लिए कुछ करने का संकल्प जगाना इस कविता का एक प्रमुख उद्देश्य है।

11.

1. पूरे घर में इफ्फन को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था? 60–70 शब्दों में लिखिए। 3

   उत्तर : इफ्फन को स्नेह तो अपने अब्बू, अपनी अम्मी, अपनी बाजी और छोटी बहन नुजहत से भी था, परन्तु दादी से वह जरा ज्यादा प्यार किया करता था। अम्मी तथा बाजी कभी–कभार डाँट–मार दिया करती थी। अब्बू भी कभी कभार घर को कचहरी समझकर फैसला सुनाने लगते थे। बस एक दादी ही थीं जिन्होंने कभी उसका दिल नहीं दुखाया। वह रात को भी उसे बहराम डाकू, अनार परी, बारह बुर्ज, अमीर हम्जा, गुल बकावली, हातिमताई और पंचफुल्ला रानी की कहानियाँ सुनाया करती थीं। इसलिए इफ्फन की दादी उसे बहुत अच्छी लगती थीं।

2. पीटी मास्टर प्रीतमचंद से बच्चे नफरत करते थे जबकि शर्मा जी या मास्टर नौहरिया से खुश होकर फारसी क्यों पढ़ते थे? 60–70 शब्दों में लिखिए। 3

   उत्तर : बच्चों की कोमल प्रवृत्ति उन्हीं अध्यापकों को पसंद करती है जो उन्हें प्यार से पढ़ाएँ व समझाएँ, जो नरमदिल व उदार हों, बच्चों का मार्गदर्शन कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। लेखक द्वारा पी.टी. प्रीतमचंद से फारसी पढ़ने से डरना तथा हेडमास्टर शर्मा जी तथा मास्टर नौहरिया से पढ़कर खुश होना इसी मनःस्थिति को प्रकट करता है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली ऐसी ही है जो छात्रों की हितपूर्ति करने में पूर्णतः सक्षम है।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **शिक्षा का उद्देश्य।**

   * ज्ञान * सर्वांगीण विकास * देश के प्रति प्रेम * कर्तव्य बोध।

2. **वर्षा का एक दिन।**

   * गर्मी की तपन * बादलों का आगमन * सुहावना मौसम * आनंदित मन।

3. **नन्हें कंधों पर बढ़ता बस्ते का बोझ।**

   * शिक्षा का स्वरूप * गृह कार्य और कक्षा कार्य * माता पिता का योगदान * समाधान।

उत्तर :

1. शिक्षा का उद्देश्य

शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य ज्ञानार्जन करना है। शिक्षा के नैतिक उद्देश्य चरित्र निर्माण द्वारा छात्र कुशल और देशभक्त नागरिक बनता है। इस प्रकार शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक तथा नैतिक दृष्टि से शिक्षा बालक का सर्वांगीण विकास करने में सक्षम होती है। कोई भी शिक्षा मात्र ज्ञान प्रदान करने से ही पूरी नहीं होती। ऐसा होने पर मनुष्य मात्र कम्प्यूटर बनकर रह जाएगा। संस्कृति और संस्कार प्रदान करने वाली एवं वातावरण से समायोजित करके उद्देश्यपूर्ण शिक्षा ही वास्तविक शिक्षा है। सभ्यता के विकास के साथ साथ साक्षरता का भी विकास होता जा रहा है परन्तु आज के समय में हम देख रहे हैं कि समाज–सेवा से एवं देशभक्ति की भावना से युक्त शिक्षा विलुप्त हो रही है। आज सेवा के मूल्यों से विहीन शिक्षा धन–लोलुपता को बढ़ावा दे रही हैं अतः आज सरकार और समाज का यह कर्तव्य है कि वे शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों को ध्यान में रखें।

2. वर्षा का एक दिन

सूखी धरती, प्यासे होंठ, बिलबिलाते पक्षी और सूखे नदी–तालाब यह किसी कविता की पंक्ति नहीं है, बल्कि यथार्थ जीवन की वह सच्चाई है जिसमें हम प्रतिवर्ष जूझ रहे हैं। इस बार की ग्रीष्म ऋतु का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। बादलों को देखने के लिए आँखें तरस रहीं थीं। तब कहीं एक दिन लम्बे इंतजार के पश्चात् इंद्र देवता की कृपा से आज आकाश में बादल उमड़ने–घुमड़ने लगे हैं, काली घनघोर घटाएँ छा गई हैं। सूर्य देवता भी बादलों की सेना को देखकर डरकर दुबक गए हैं। काले बादलों का घुमड़ना शुरू हो गया है। बार बार बिजली कड़क रही है। मोरों की पैको–पैको की आवाज से वातावरण गूँज उठा है और फिर मूसलाधार वर्षा के आगमन से तप्त हृदयों का मन–मयूर नृत्य करने लगा है। स्त्री पुरूष, बच्चे बूढ़े, पशु पक्षी अर्थात् पृथ्वी के सभी प्राणी प्रसन्न हो उठे हैं। पेड़ पौधों को जीवनदान मिल गया है और फसल इठलाती हुई लहराने लगी है। सूखे हुए नदी–तालाबों और कुओं में पानी भरने लगा है। पक्षियों के कलरव वातावरण को अपने संगीत से मधुर बनाए दे रहे हैं। छोटे बच्चे वर्षा के जल में खेलते हैं और कागज की नावें तैरा रहे हैं। मिट्टी की महक हवा में बहने लगी है। आनंद और उल्लास के वातावरण में ऐसा प्रतीत होता है मानो कोई त्योंहार हो।

3. नन्हें कंधों पर बढ़ता बस्ते का बोझ

आज का विद्यार्थी कल का भावी नेता है। यह कहना बहुत आसान है किन्तु विद्यार्थी का प्रारंभिक जीवन किस प्रकार बीतता

है– उस पर अगर अनुसंधान करें तो अधिकांश बच्चों के लिए उनके स्कूली जीवन के शुरूआती दिन विभीषिकामय होते हैं। बच्चा मुश्किल से तीन साल का हो नहीं पाता कि उसे किसी अच्छे स्कूल या तथाकथित इंटरनेशनल या ग्लोबल स्कूल में भेजने की कवायद शुरू हो जाती है। इंटरव्यू के लिए तरह तरह की तैयारियां करवाई जाती हैं। बेचारा बच्चा सहमता–सहमता इन सबको किसी प्रकार झेलता हुआ अगर किसी अच्छे स्कूल में भरती हो भी गया तब भी उसकी मुक्ति नहीं। एक मुश्किल से उबरने के बाद अन्य मुश्किलों का सिलसिला शुरू हो जाता है। मसलन कक्षा–कार्य, गृहकार्य, प्रोजेक्ट वगैरह–वगैरह। भाषा, विज्ञान, गणित से लेकर समाज–शास्त्र, पर्यावरण–शिक्षा, कम्प्यूटर शिक्षा और न जाने किन किन विषयों की पुस्तकों और कॉपियों से उसका बस्ता भरा रहता है। इस बोझ का सीधा रिश्ता हमारी शिक्षा व्यवस्था से है। बेचारे के नन्हें कंधों पर बढ़ता बस्ते का बोझ उसे शिक्षा के प्रति उदासीन और विमुख बनाने की कोशिश करता है। इसी बोझ तले उसका शरीर और मन दबा होता है। माता पिता का सहृदय व्यवहार और सहयोग उसके कुंठित मन में आशा जगा सकते हैं। आज आवश्यकता है शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन की, ताकि बस्ते का बोझ कम हो और उसे व्यावहारिक शिक्षा दी जा सके। अब कम्प्यूटर आधारित शिक्षा–प्रणाली की बातें हो रही हैं। ऐसा होने से शायद लैपटॉप के जरिये बस्ते का बोझ कम हो सके।

13. पीतमपुरा, दिल्ली डाकघर से ट्रांस कॉलोनी, कानपुर को भेजा गया मनीऑर्डर अपने गंतव्य तक नहीं पहुँचा। इसकी शिकायत करते हुए प्रेषक की ओर से डाकपाल को एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
डाकपाल महोदय,
मुख्य डाकघर,
दिल्ली–110034

विषय : मनीऑर्डर न पहुँचने की शिकायत।

महोदय,

निवेदन है कि मैंने आपके डाकघर से दिनांक 24.04.2018 को अपनी पुत्री के लिए ट्रांस कॉलोनी, कानपुर को 1000/– रुपये का मनीऑर्डर करवाया था। आज एक माह से अधिक हो गया, पर मनीऑर्डर अपने गंतव्य तक नहीं पहुँचा है। इस कारण भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मनीऑर्डर का विवरण इस प्रकार है–

मनीऑर्डर रसीद संख्या– जी 23977522
पाने वाले का नाम– रमन
पता : 75–बी,
ट्रांस कॉलोनी,
कानपुर।

प्रेषक का नाम एवं पता : कमलेश, पीतमपुरा, दिल्ली।

आपसे विनम्र निवेदन है कि उक्त मनीऑर्डर का पता लगाकर उसे शीघ्र गंतव्य स्थल तक पहुँचाया जाए और मुझे सूचित किया जाए।

सधन्यवाद
भवदीय
कमलेश
दिनांक : 04 मार्च, 2018

अथवा

किसी प्रख्यात समाचारपत्र के संपादक के नाम एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखकर रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार की प्रशंसा कीजिए।

उत्तर :

सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
बहादुरशाह जफर रोड,
नई दिल्ली–110002
दिनांक : 25.03.2018

विषय : रेल आरक्षण व्यवस्था में प्रशंसनीय सुधार।

महोदय,

निवेदन है कि मैं आपके समाचारपत्र के माध्यम से रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार के लिए रेल विभाग की प्रशंसा करना चाहता हूँ। आशा है कि आप इसे पाठकों के **प्रशस्ति** नामक स्तंभ में प्रकाशित कर अनुगृहीत करेंगे। पहले हमारे शहर के रेलवे स्टेशन पर आरक्षण कक्ष में आरक्षण संबंधी बहुत अव्यवस्था रहती थी। आरक्षण कक्ष में दो ही कम्प्यूटर थे जिसके कारण आरक्षण करवाने वालों की भीड़ लगी रहती थी। बिजली भी बीच में जाती रहती थी, जिसके चलते कम्प्यूटर काम करना बंद कर देते थे। आरक्षण करने वाले बाबू लोग भी मन से काम नहीं करते थे किन्तु अब ऐसा नहीं है। अब व्यवस्था बहुत अच्छी हो गई है। आरक्षण–कक्ष वातानुकूलित हो गया है। कम्प्यूटर भी दो की जगह छह हो गए हैं। अब बिजली की समस्या भी खत्म हो गई है क्योंकि अब जेनरेटर की वैकल्पिक व्यवस्था हो गई है। आरक्षण करने वाले बाबू भी सक्रिय, युवा व मृदुभाषी हैं। अब आरक्षण का काम इतनी तेजी से होता है कि पंक्ति बनाने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। मैं अपने शहरवासियों की तरफ से इतनी अच्छी व्यवस्था के लिए रेल विभाग की बार–बार प्रशंसा करता हूँ तथा धन्यवाद देता हूँ।

भवदीय
दिनेश
आर्य नगर।

14. बाढ़ पीड़ितों को सहायता देने के लिए प्रधानाचार्य की ओर से सूचना पट पर सूचना 40–50 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

डी.एन.सी. पब्लिक स्कूल, भरतपुर, (राजस्थान)

सूचना

पत्रांक : vi/09/18

दिनांक : 10 अगस्त, 2018

विषय : बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ सहयोग।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में आई बाढ़ से पीड़ितों के पुनर्वास हेतु विद्यालय राहत सामग्री और सहयोग राशि भेज रहा है। इच्छुक शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी एवं छात्र दिनांक 14.08.2018 सायं। 4:00 बजे तक उपप्रधानाचार्या डॉ. सीमा सिंह को सहयोग सामग्री एवं धनराशि सौंप कर रसीद प्राप्त कर लें।

हस्ताक्षर

केसर शर्मा

प्रधानाचार्य

अथवा

डॉन बॉस्को स्कूल, गुवाहाटी में इको क्लब के सदस्यों की सभा के आयोजन की जानकारी के लिए क्लब के अध्यक्ष की ओर से सूचना-पत्र 40-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

डॉन बॉस्को स्कूल, गुवाहाटी

सूचना

इको क्लब के सभी सदस्यों को यह सूचित किया जाता है कि नवम्बर 2018 को प्रातः 10:00 बजे विद्यालय सभागार में सभा का आयोजन किया जाएगा। सभा में सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है।

हस्ताक्षर

रमेश

अध्यक्ष

15. परीक्षा की तैयारी को लेकर विनीत और प्रीति के बीच वार्तालाप 50-60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

प्रीति : हैलो विनीत! कैसे हो?

विनीत : हैलो प्रीति! मैं ठीक हूँ। तुम बताओ, परीक्षा की तैयारी कैसी चल रही है?

प्रीति : मैंने सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी और हिंदी की तैयारी तो कर ली है लेकिन गणित, संस्कृत आदि विषयों की तैयारी करनी बाकी है। तुम्हारी तैयारी कैसी है, विनीत?

विनीत : मैंने गणित, अंग्रेजी, सामान्य-ज्ञान और हिंदी की तैयारी कर ली हैं। मेरी संस्कृत की तैयारी अभी नहीं हुई है।

प्रीति : बहुत अच्छा, अब हमें छूटे हुए विषयों की तैयारी भी कर लेनी चाहिए। परीक्षा बहुत निकट है।

अथवा

गीता और नेहा, दो सखियों में विद्यालय की ओर से दो दिन की आगरा यात्रा पर जाने के लिए की जा रही तैयारियों के बारे में बातचीत की कल्पना कीजिए व लगभग 50-60 शब्दों में वार्तालाप लिखिए।

उत्तर :

गीता : नेहा! तैयारी कैसी चल रही है? तुमने कपड़े तैयार कर लिए क्या?

नेहा : हाँ! मेरा सामान और मैं दोनों तैयार हैं। अब तो बस जाने का इंतजार है।

गीता : कितनी रोमांचक होगी न हम सभी की एक साथ यात्रा!

नेहा : हाँ! दुनिया के सात अजूबों में से एक को देखने के लिए मैं वर्षों से इस पल का इंतजार कर रही थी। आज जैसे मेरी इच्छा पूरी हो गई।

गीता : हाँ सचमुच! मेरी भी। अच्छा, अब मैं जल्दी से अपनी तैयारी पूरी करती हूँ, फिर थोड़ी देर में यात्रा के लिए निकलना भी है।

16. लड़कियों की घटती संख्या के बारे में जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर :

अथवा

शैंपू बनाने वाली कंपनी के मालिक ने विज्ञापन बनाने को दिया है। आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online